राजस्थान फाउण्डेशन पत्रिका
अगस्त 2025

Rajasthan Foundation
Connecting Non-Resident Rajasthanis

माटी रौ संदेश

प्रवासी राजस्थानियों को अपनी माटी से जोड़े रखने का अनुपम प्रयास

Welcoming Presidents of Newly Formed Chapters of Rajasthan Foundation

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान सरकार

Rajasthan Investment Promotion Scheme (RIPS) 2024

to boost investments in the State!

Inclusive Business Framework

Supports large enterprises and MSMEs, creating a business-friendly environment.

Focus on Green Investments

Prioritizes sustainability with incentives for eco-friendly businesses & practices.

Fiscal Incentives

Unparalleled financial benefits aimed at attracting investments across sectors.

Capability Building

Invests in skill development & capacity enhancement for long-term growth.

Export Promotion

Encourages growth in exports, enhancing Rajasthan's global trade presence.

Innovative Ecosystem

Aims to foster a dynamic ecosystem that values innovation & sustainable growth.

आलोक गुप्ता
आई.ए.एस.

सत्यमेव जयते

प्रमुख शासन सचिव
उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई)
एवं राजकीय उपक्रम एवं दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कोरिडोर
एवं विशेषाधिकारी, भिवाड़ी इन्टीग्रेटेड विकास प्राधिकरण एवं
विनियोजन, अप्रवासी भारतीय एवं निवेश संवर्धन ब्यूरो
राजस्थान सरकार

संदेश

प्रिय प्रवासी बंधुओं,

आप सभी को मेरी ओर से स्नेहपूर्ण अभिवादन।

आपने राज्य से बाहर अपनी मेहनत, संस्कार और प्रतिभा से न सिर्फ अपना नाम रोशन किया है बल्कि राजस्थान की संस्कृति, भाषा, लोक कलाओं एवं परंपराओं को भी विश्व पटल पर सम्मान दिलाया है। आप हमारे सांस्कृतिक दूत हैं जो अपनी मेहनत व प्रतिभा से राजस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं।

हमारे लिए यह हर्ष का विषय है कि चाहे बात सांस्कृतिक आयोजनों की हो, निवेश के अवसरों की हो या सामाजिक सरोकारों की–आप सब की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि आप चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हों, दिल से राजस्थान से जुड़े हुए हैं। राजस्थान की मिट्टी की खुशबू आज भी आपके साथ है।

इस भावनात्मक और व्यवहारिक सेतु को मजबूत करने में राजस्थान फाउंडेशन की भूमिका अहम है। मैं राजस्थान फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करता हूं जो प्रवासी संवाद कार्यक्रमों, सोशल मीडिया अभियानों, विभिन्न गतिविधियों और प्रकाशनों के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की गहराई से जोड़ रहे हैं।

माटी रौ संदेश पत्रिका के विशेष कॉलम **'प्रवासियों की कलम से'** में भारत और विदेशों में बसे प्रवासी राजस्थानियों ने अपने गांव, बचपन, त्योहारों और पारिवारिक संस्मरणों को साझा किया है। हर लेख में प्रदेश की संस्कृति, स्मृति और अपनापन झलकता है। वहीं नवीन कॉलम **'प्रवासियों के योगदान'** में सम्मिलित शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में आप द्वारा किए गए परोपकारी कार्य हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह बताते हुए मुझे विशेष हर्ष हो रहा है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी द्वारा वर्ष 2024 में हर वर्ष **'प्रवासी राजस्थानी दिवस'** के आयोजन की जो घोषणा की गई थी, वह इस वर्ष 10 दिसंबर को साकार हो रही है। मैं सभी प्रवासी बंधुओं को इस आयोजन में भाग लेने और अपनी माटी से रिश्ता और भी मजबूत करने के लिए आमंत्रित करता हूं।

(आलोक गुप्ता)

Dr. Manisha Arora
I.A.S.
Commissioner
डॉ. मनीषा अरोड़ा
आई.ए.एस.
आयुक्त

सत्यमेव जयते

Rajasthan Foundation
Government of Rajasthan
राजस्थान फाउण्डेशन
राजस्थान सरकार

संदेश

प्रिय प्रवासी बंधुओं,

जब भी हम आपसे संवाद करते हैं, चाहे डिजिटल माध्यम से हो, किसी कार्यक्रम के जरिए या फिर ***माटी रौ संदेश*** पत्रिका के माध्यम से — एक बात साफ झलकती है कि आप दूर रहकर भी अपनी माटी से गहराई से जुड़े हुए हैं। आपने दुनिया के अलग-अलग कोनों में राजस्थान की संस्कृति, पहचान और गौरव को जीवंत बनाए रखा है। यह देखकर गर्व होता है कि आप अपनी कर्मभूमि में रहते हुए भी अपनी मातृभूमि के लिए समर्पित हैं और प्रदेश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा देश-विदेश में राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स घोषित किए गए और उनके अध्यक्षों का मनोनयन किए जाने के पश्चात ये क्रियाशील हो गए हैं। इस अवसर पर देश-विदेश में मनोनीत राजस्थान फाउंडेशन के सभी चैप्टर अध्यक्षों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि आप सभी राजस्थान की छवि और संस्कृति को वैश्विक पटल पर और अधिक प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करेंगे।

राजस्थान फाउंडेशन का उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को राज्य से जोड़े रखना और सरकार की नीतियों व योजनाओं की जानकारी सरल व सुलभ रूप में उपलब्ध कराना है। इस दिशा में एक पहल के रूप में वर्चुअल माध्यम से **'नॉलेज सीरीज़'** कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसके माध्यम से भावी निवेशकों को राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों और योजनाओं की जानकारी दी जाती है। मई माह में आयोजित पहले एपिसोड में **'राजस्थान स्टार्टअप पॉलिसी 2022'** एवं **'AVGC-XR पॉलिसी 2024'** पर विस्तृत चर्चा की गई, वहीं जुलाई माह में आयोजित दूसरे एपिसोड में **RIPS 2024** से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। हमें प्रवासी समुदाय से इस पर उत्साहजनक प्रतिक्रिया और सहभागिता मिली है, और जल्द ही इसका तीसरा एपिसोड भी प्रस्तुत किया जाएगा।

जहां एक ओर राजस्थान फाउंडेशन आप सभी प्रवासी राजस्थानियों को अपने प्रदेश-अपनी माटी से जोड़े रखने के लिए मजबूती से कार्य कर रहा है वहीं दूसरी ओर, प्रवासी राजस्थानी बंधुओं की समस्याओं के समाधान के लिए जिलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति जैसे नवाचार किए गए हैं। साथ ही इस बार **प्रवासी राजस्थानी सम्मान अवॉर्ड्स** के माध्यम से उनके उत्कृष्ट कार्यों को पहचान और प्रोत्साहन दिए जाने की भी पहल की गई है।

आप सभी को यह जानकार खुशी होगी कि राज्य की प्रगति में प्रवासी राजस्थानियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उन्हें राजस्थान की विकास यात्रा से और अधिक सार्थक रूप से जोड़ने के उद्देश्य से 10 दिसंबर 2025 को जयपुर में **प्रवासी राजस्थानी दिवस** का प्रथम आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सभी प्रवासियों को न केवल एक दूसरे से मिलने का सुअवसर प्रदान करेगा अपितु राज्य के समग्र विकास के लिए सार्थक संवाद का एक सशक्त मंच भी प्रदान करेगा। प्रवासियों के इस विशेष उत्सव में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

(डॉ मनीषा अरोड़ा)

GLIMPSES THAT MATTER: CELEBRATING PROGRESS AND PRIDE

The Honourable Prime Minister Shri Narendra Modi inspired the nation in celebrating **'Yoga for Self and Society'** on the 11th International Yoga Day at Vishakhapatnam.

The Honourable Chief Minister Shri Bhajanlal Sharma presided over the State-level celebrations in Jaisalmer, Rajasthan emphasising yoga's relevance for both individual and societal well-being.

At the **Rising Rajasthan: अवसर एवं चुनौतियां 2025** event, Hon'ble Deputy Chief Minister Smt. Diya Kumari highlighted Rajasthan's transformation into a tourism and industrial hub under the double-engine government. She emphasized ease of doing business, MoU implementation, single-window clearance and new policies such as the Tourism Unit Policy, upcoming Film Policy and the State's first Green Budget where she urged industries to adopt eco-friendly measures. She applauded Jaipur's recent global recognition as one of the world's top five destinations, calling it a proud moment for Rajasthan. Stressing the role of Non-Resident Rajasthanis, she outlined initiatives like Rajasthan Investment Promotion Scheme (RIPS) 2024 and the RajNivesh Portal to boost diaspora's investment and collaboration.

SHOWCASING RAJASTHAN'S VISION FOR INCLUSIVE GROWTH

RISING RAJASTHAN: अवसर एवं चुनौतियां 2025

Hon'ble Industries Minister Col. Rajyavardhan Rathore highlighted Rajasthan's rapid progress in technology, industry and sports. He outlined the State's pioneering Data Center Policy, adoption of AI in welfare delivery and emphasized ease of doing business in order to attract global investors. On sports, he shared Rajasthan's pride in hosting the Khelo India University Games and launching a talent identification program to groom athletes for the 2036 Olympics. He reiterated the government's focus on empowering youth, creating jobs and strengthening Rajasthan's global identity.

As part of Rising Rajasthan, leaders from governance and industry discussed innovative pathways for the State's sustainable growth. In the panel on manufacturing, services, MSMEs and diaspora engagement, Dr. Manisha Arora, Commissioner, Rajasthan Foundation, highlighted the Foundation's role in connecting the global Rajasthani diaspora and supporting them through a grievance redressal system with district nodal officers. Our esteemed Pravasi and President of Munich Chapter, Shri Hargovind Rana emphasized diaspora networks in driving Rajasthan's progress.

STRENGTHENING CULTURAL AND COMMUNITY BONDS IN INDORE

In a significant outreach initiative, Rajasthan Foundation, in collaboration with Laghu Udyog Bharati, successfully hosted the Pravasi Rajasthani Meet on 17th April in Indore, creating a platform for meaningful engagement with the Non-Resident Rajasthani (NRR) community residing in Madhya Pradesh. During the meet, Commissioner, Rajasthan Foundation shared key updates reflecting the State's commitment to its diaspora. This included the announcement of a dedicated Department for Non-Resident Rajasthanis (NRR) — a first of its kind institutional step to strengthen State-diaspora ties. Additionally, key highlights of the RIPS 2024 were shared with the Pravasi Rajasthanis, showcasing opportunities for investment and collaboration.

THE PRAVASI MEET & GREET IN GUWAHATI, ASSAM

Continuing this outreach, the Pravasi Rajasthani Samvad was organised on 13th June 2025 in Guwahati, Assam by Shri Ratan Sharma, President of the Rajasthan Foundation Guwahati (Assam) Chapter, along with fellow Pravasi Rajasthanis.

The Commissioner, Rajasthan Foundation, highlighted the key role of Non-Resident Rajasthanis in the State's growth and announced several initiatives including the celebration of Pravasi Rajasthani Divas on 10th December 2025, the Pravasi Rajasthani Samman Awards, appointment of district nodal officers and new avenues for diaspora collaboration. Addressing the event, Shri Ratan Sharma thanked the Hon'ble Chief Minister of Rajasthan and assured that through the Guwahati Chapter, the Pravasi Rajasthani community in the North-East will stay connected with their motherland and contribute to the State's progress. The event witnessed enthusiastic participation from the Pravasi community in the North-Eastern region, with many attendees sharing their personal journeys and strong emotional connection with Rajasthan.

VIRTUAL CONNECT WITH PRAVASIS

Welcoming Rajasthan Foundation's New Chapters Worldwide

The Hon'ble Chief Minister of Rajasthan had announced the formation of 14 new Rajasthan Foundation Chapters during the Pravasi Rajasthani Conclave in December 2024, with the goal of enhancing diaspora participation in the State's development journey.

As part of this initiative, the Commissioner of Rajasthan Foundation held a virtual interaction on 11th April 2025 with RF Chapter Presidents from India and abroad to interact with and welcome the newly nominated Presidents. Participants were also briefed on major upcoming initiatives, including the **Pravasi Rajasthani Divas** on 10th December 2025 and the **Pravasi Rajasthani Samman Awards**, with nominations to be invited through a dedicated portal.

In continuation, another virtual meeting was held on 15th July 2025 with Pravasi Rajasthanis and Chapter Presidents from Dubai, Japan, Australia, Singapore, Saudi Arabia, Uganda, Kenya, Qatar, Germany, Delhi, Guwahati and Pune, along with officials of Laghu Udyog Bharati and Pravasi Prakoshth. The Commissioner briefed Chapter Presidents on their roles and responsibilities, highlighted Rajasthan Foundation's activities and invited all members to the upcoming Pravasi Rajasthani Divas.

RF Team Connected with Chapter Presidents Worldwide Via VC

#YOGAWITHPRAVASI CAMPAIGN BY RAJASTHAN FOUNDATION ON INTERNATIONAL YOGA DAY 2025

Yoga Day Glimpses from Shri Tribhuvan Khandelwal, President, RF Tokyo Chapter

21st June is celebrated worldwide as the **International Day of Yoga.** During Yoga Week, Rajasthan Foundation launched the campaign **#YogaWithPravasi,** inviting Pravasi Rajasthanis across the globe to share their yoga journeys. Our esteemed Pravasi Rajasthanis from various cities in India and abroad shared inspiring photos and videos of yoga activities held in their respective countries. Their participation not only showcased their commitment to wellness but also motivated others to stay fit and healthy.

Pravasi Rajasthanis from Saudi Arabia

Shri Hargovind Singh Rana, President, RF Munich Chapter

RAJASTHAN FOUNDATION GREETS NEW CHAPTER PRESIDENTS

Shri Abhishek Jain
President, Doha (Qatar) Chapter

Shri Amraram Jangid
President, Dubai Chapter

Shri Hargovind Singh Rana
President, Munich Chapter

Shri Mangal Chand Choudhary
President, Pune Chapter

Shri Manish Kalla
President, Kampala (Uganda) Chapter

Shri Ratan Sharma
President, Guwahati Chapter

Shri Tribhuvan Khandelwal
President, Tokyo Chapter

In a series of meaningful interactions, Rajasthan Foundation had the privilege of welcoming several Chapter Presidents to its office. These included Shri Abhishek Jain, President – Doha Chapter, Shri Amraram Jangid, President – Dubai Chapter, Shri Hargovind Singh Rana, President – Munich Chapter, Shri Mangal Chand Choudhary, President – Pune Chapter, Shri Manish Kalla, President – Kampala Chapter, Shri Ratan Agrawal, President – Guwahati Chapter and Shri Tribhuvan Khandelwal, President – Tokyo Chapter.

As Presidents of their respective Chapters, they play a pivotal role in connecting Pravasi Rajasthanis with the Rajasthan Foundation, inspiring diaspora communities to remain closely linked with their homeland and strengthening meaningful engagement. Through their leadership, the Chapters reinforce the global Rajasthani network and encourage cultural exchange, collaborative initiatives and economic partnerships—building stronger bonds between Rajasthan and its people across the world. The dialogue focused on collaborative avenues such as cultural diplomacy, MOUs signed under skill development and the participation of the diaspora in the socio-economic development of Rajasthan.

RF KNOWLEDGE SERIES: EMPOWERING PRAVASI RAJASTHANIS THROUGH POLICY INSIGHTS

Episode 1: Focused Dialogue on Innovation and Startups

As part of its initiative to spread policy awareness, participation and knowledge-sharing among Non-Resident Rajasthanis (NRRs), Rajasthan Foundation launched its flagship initiative — the **Knowledge Series**. This platform is designed to connect the global Rajasthani diaspora with the State's evolving policies, opportunities and sectoral advancements.

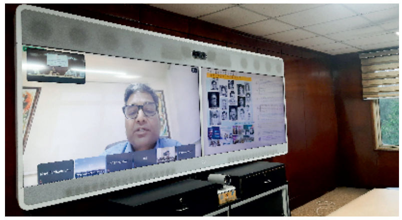

The inaugural episode of the Knowledge Series, held in May 2025, featured a focused dialogue on two of Rajasthan's most progressive policies — **The Startup Policy 2022 and the AVGC-XR Policy 2024** — in collaboration with the Department of Information Technology & Communication.

The session brought together stakeholders from diverse sectors and geographies for a thought-provoking conversation on innovation, entrepreneurship and the future of digital and creative industries. It highlighted Rajasthan's commitment to nurture a vision-driven startup ecosystem and building capacity in emerging domains like animation, gaming, VFX and extended reality.

Episode 2: Focus on Rajasthan Investment Promotion Scheme (RIPS) 2024

Rajasthan Foundation, in coordination with the Bureau of Investment Promotion (BIP), hosted Episode 2 of its Knowledge Series on the **Rajasthan Investment Promotion Scheme (RIPS) 2024.** This episode of the series was organised in July 2025.

The virtual session brought together Pravasi Rajasthanis and global investors from countries such as the USA, UAE, Germany, Australia, Japan, Kenya and more. It offered detailed insights into the scheme's key benefits, including capital subsidies, tax exemptions, land allotment support and Rajasthan's single-window system aimed at enhancing ease of doing business.

The session also underlined investment opportunities available to Non-Resident Rajasthanis (NRRs), with a focus on MSMEs, startups and entrepreneurs. Officials and policy experts addressed live queries, making the session informative and interactive.

With strong participation and valuable exchange of ideas, this episode reinforced Rajasthan Foundation's role in bridging the gap between the State and its global diaspora through focused knowledge-sharing platforms.

सांस्कृतिक उत्सव के रंग

माउंट आबू समर फेस्टिवल 2025

17 से 19 मई 2025 के बीच आयोजित **माउंट आबू समर फेस्टिवल** की रंगारंग झलकियों को डिजिटल माध्यमों से विश्वभर के प्रवासी राजस्थानियों तक पहुँचाया गया। लोकगीतों, पारंपरिक नृत्यों और पहाड़ियों की मनमोहक छवियों ने इस पर्व को सोशल मीडिया पर खास पहचान दिलाई। साथ ही माउंट आबू के प्राकृतिक सौंदर्य व राजस्थानी संस्कृति को इस कार्यक्रम के जरिए दुनिया भर के प्रवासियों तक पहुंचाया गया।

यह कवरेज प्रवासी समुदाय के साथ जुड़ाव के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जो राजस्थान फाउंडेशन समय-समय पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए करता रहा है। ऐसे आयोजन न केवल प्रदेश के सांस्कृतिक वैभव को विश्व पटल पर प्रस्तुत करते हैं, बल्कि प्रवासियों को भी अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। इस तरह के आयोजन और उनकी डिजिटल पहुंच न सिर्फ राजस्थान की सांस्कृतिक छवि को वैश्विक मंच पर मजबूती देती है, बल्कि प्रवासियों को भी यह महसूस कराती है कि राजस्थान, हर उत्सव में उनके साथ है — चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हों।

साहित्य सम्मेलन — 'विरासत और विचार'

राजस्थान फाउंडेशन दिल्ली चैप्टर और राजस्थानी मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली में साहित्यिक कार्यक्रम **'विरासत और विचार'** का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत भारत सरकार के माननीय विधि एवं न्याय मंत्री, श्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान सरकार के माननीय राज्य मंत्री उद्योग एवं वाणिज्य विभाग श्री के.के. विश्नोई, एवं राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा द्वारा की गई।

इस अवसर पर श्री रामावतार किला को राजस्थान फाउंडेशन दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष पद पर नामांकन हेतु बधाई दी गई। श्री किला ने आश्वस्त किया कि वह अपने क्षेत्राधिकार में प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने और राजस्थान की प्रगति में प्रवासी समुदाय के साथ मिलकर सक्रिय योगदान देने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में राजस्थानी भाषा और साहित्य पर सार्थक एवं सरल चर्चा हुई। वक्ताओं ने मायड़ भाषा की समृद्ध परंपरा, साहित्यिक धरोहर और नई पीढ़ी तक इसके प्रसार की आवश्यकता पर अपने विचार रखे।

गणगौर उत्सव : देश-दुनिया में गूंजे राजस्थानी गीत

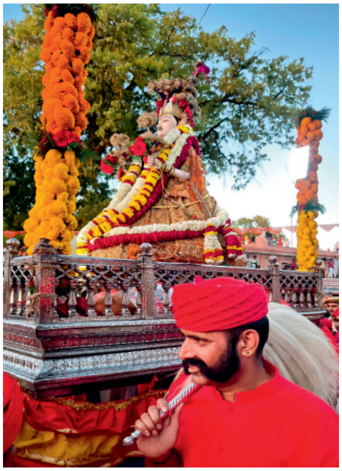

कोलकाता, दिल्ली, ओडिशा, सिक्किम, सूरत, भुवनेश्वर, अरुणाचल प्रदेश, जर्मनी, सिंगापुर और युगांडा सहित अनेक स्थानों पर प्रवासी राजस्थानी संगठनों ने **गणगौर उत्सव** का भव्य आयोजन कर संस्कृति, आस्था और परंपराओं को जीवंत किया। प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने साझा की गई झलकियों और तस्वीरों से पर्व की रौनक और भी निखार दी। राजस्थान फाउंडेशन प्रवासियों के इस उत्साह को सराहता है, जो अपनी विरासत को दुनिया के किसी भी कोने में जीवंत रखते हैं।

ऐसे पर्व हमें याद दिलाते हैं कि राजस्थानियों की अपनत्व, एकता और गौरव की डोर सीमाओं से परे है—जो हमें हर हाल में जोड़ती है। यह सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश है। विदेशों में रहते हुए भी अपनी परंपराओं को संजोना, आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत सौंपना और समुदाय के बीच सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करना ही हमारी असली पहचान है।

तीज उत्सव 2025: सोशल मीडिया से जुड़े प्रवासी राजस्थानी

हरियाली तीज का पर्व इस वर्ष भी जयपुर में पारंपरिक उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। राजस्थान फाउंडेशन ने इस सांस्कृतिक उत्सव की विशेष झलक अपने सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से देश-दुनिया में बसे प्रवासी राजस्थानियों तक पहुंचाई। जयपुर के त्रिपोलिया गेट से निकली **तीज माता की शाही सवारी**, जिसमें लोक कलाकारों की प्रस्तुतियाँ, हाथी-घोड़े, सजी हुई पालकी और पारंपरिक लोक संगीत शामिल थे। इस भव्य शोभायात्रा को हजारों दर्शकों ने वर्चुअली देखा और सराहा।

राजस्थान की संस्कृति से जुड़ने की इस डिजिटल पहल ने देश-विदेश में बसे राजस्थानियों को अपने प्रदेश से भावनात्मक रूप से जोड़ा और यह अनुभव कराया कि वे भले ही मीलों दूर हों, पर अपनी परंपरा और पर्वों से कभी दूर नहीं हो सकते।

पूर्वी सिंहभूम (झारखंड), दिल्ली-एनसीआर, गंगटोक (सिक्किम) सहित कई अन्य स्थानों पर भी प्रवासी राजस्थानी संगठनों ने तीज महोत्सव के भव्य आयोजन कर संस्कृति, परंपरा और उत्सव की उमंग को जीवंत किया। इन आयोजनों की झलकियाँ और तस्वीरें प्रवासी राजस्थानी महिलाओं एवं आयोजकों ने साझा कीं, जिसने इस पर्व की रौनक और उत्साह को और भी प्रखर बना दिया।

#PRAVASIYON Ki Kalam Se

कहानी-गोटे का घाघरा और चूरमे की मिठास

राजस्थान की रेत पर चलती हवा में एक अलग ही मिठास होती है, जो सीधे दिल तक पहुँचती है। वही मिठास लिए रिद्धि, कई साल बाद अपने पैतृक गाँव धोलीबावड़ी लौट रही थी। शहर की बड़ी-बड़ी इमारतों और व्यस्त सड़कों के बीच रहते-रहते वह अपने गाँव की पगडंडियों, मिट्टी की सोंधी खुशबू, दाल-बाटी के स्वाद और दादी के गोटेदार घाघरे को बहुत याद करती थी। ट्रेन से उतरते ही दूर-दूर तक फैली रेत, बाजरे के खेत, और हवा में घुलती पापड़ की सब्ज़ी की खुशबू ने जैसे बचपन की यादें ताज़ा कर दीं।

"आ गई मेरी रिद्धि!" दरवाजे पर खड़ी दादी ने जैसे ही पुकारा, रिद्धि दौड़कर उनसे लिपट गई। दादी वही लाल रंग का रेशमी घाघरा पहने थीं, जिसमें सुनहरे गोटे का बारीक काम था। गोटे की चमक सूरज की रौशनी में और निखर रही थी। "दादी, आपका ये घाघरा अब भी वैसा ही सुंदर है," रिद्धि ने मुस्कराते हुए कहा। दादी ने प्यार से माथा चूमते हुए कहा,"बिटिया, कपड़े की चमक से ज्यादा इंसान के दिल में सच्चाई होनी चाहिए। यही हमारे राजस्थान की असल पहचान है।" शाम को चौपाल में दादा जी की कहानियों का दौर शुरू हुआ। गाँव के बच्चे, बूढ़े, सब घेर कर बैठे थे।

दादा जी ने महाराजा अग्रसेन की वह पुरानी कहानी सुनाई — कैसे उन्होंने समाज में सबको बराबरी का हक दिया, दान के संस्कार सिखाए, धर्मशालाएँ, स्कूल, अस्पताल बनवाए। रिद्धि ने बचपन में ये बातें सुनी थीं, पर अब जाकर समझ आ रहा था कि यह सिर्फ कहानियाँ नहीं, बल्कि जीने का रास्ता है। अगले दिन गाँव में बड़ा आयोजन था — भंडारे का। दादी ने अपने वही असली गोटे वाला घाघरा रिद्धि को पहनने दिया।

"आज तू भी मेरी तरह सेवा करेगी," दादी ने कहा। रिद्धि ने चूर्मे के लड्डू बनाए, दाल-बाटी में खूब घी डाला, पापड़ की सब्ज़ी तैयार की। भंडारे में गाँव का हर कोई शामिल था — अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं। खाना परोसते वक्त एक गरीब बच्चे ने कहा, "दीदी, इतना स्वादिष्ट खाना कभी नहीं खाया।" रिद्धि की आँखें नम हो गईं। उसे दादी-दादा की बातें याद आईं — सादा जीवन, पर दिल बड़ा रखना। किसी को भूखा न सोने देना, किसी को छोटा न समझना। भंडारे के बाद रिद्धि ने गाँव के सरपंच से कहा, "क्यों न हम गाँव में एक स्कूल खोलें? जहाँ हर बच्चा पढ़ सके। यही असली सेवा होगी।" सभी ने तालियाँ बजाईं। दादी ने सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया, "तू सच्ची रजवाड़ी निकली। असली रजवाड़ा तो वो है जो समाज की भलाई करे।"

रिद्धि ने निश्चय किया, शहर लौटकर भी वो महाराजा अग्रसेन की सोच को आगे बढ़ाएगी। सिर्फ राजस्थान ही नहीं, देश के हर कोने में समानता, शिक्षा और भाईचारे का दीप जलाएगी। राजस्थान सिर्फ रेत, रंग, और राजमहलों का नहीं, यह दिलों की विशालता, दानशीलता, और सबको साथ लेकर चलने की परंपरा है।

क्रमशः

अगर हर इंसान महाराजा अग्रसेन की तरह सोचने लगे, हर रिद्धि समाज के लिए कुछ कर गुज़रे, तो कोई भूखा न रहेगा, कोई अशिक्षित न रहेगा। रिद्धि जान गई थी – असली गोटा वही है, जो दिल को चमकाए। और असली चूर्में की मिठास वही है, जो समाज में प्यार घोल दे।

डॉ. निशा नंदिनी गुप्ता
तिनसुकिया (असम)
उदयपुर (राजस्थान)

धरती धोरां री

सम्पत बरमेचा,
लिलुआ, हावड़ा (प.बंगाल)
पो. तारानगर जिला. चूरू
(राजस्थान)

राजस्थान को तावडो,आ गरमी और ताप,
पियो छाछ और राबड़ी, मिलकर हम और आप,
बाजरे की रोटी बनवाओ, घालो उसमें घी,
सियालो दूर भागगो, नहीं लागगो सी,
धोरां री धरती में चालो, माथे बांधो पागड़ी,
खाओ खेतां म चना, बोरिया, हाथ म राखो छड़ी,
ऊँट री सवारी करो, करो धोरां की सैर,
मोरियो नाचगो पांख खोलकर,दिन, शाम, दोपहर,
मँदिर देवरा बहुत मिलेगा,ले ओ दर्शन रा लाभ,
मनोकामना पूर्ण होसी,सब मिल कर जाओ आप,
महाराजा का महल दिखेगा, दिखेगी सेठां की हवेली,
कारी चित्र थे देखोगा, या कारीगरां की शैली,
मीठा मीठा तरबुज, काकड़िया, मतिरिया की सुगंध,
खाओ सब मिल बैठ के, चाहे साथ हो सगा सबंध,
राजस्थान री हवा ही दवा है, जाओ हर साल,
शहरां री बीमारी दूर भागेगी, रहोगा तंदुरस्त हर हाल,
बात सम्पत यह कह रिया, बात सोलाह आना साची,
धरती धोरां री सी नही मिलेगी,
चाहे घुमल्यो कलकता या रांची!

राजस्थानी ग़ज़ल

मत चिलकावै ठाठ भायला
मिलणो आखर काठ भायला

उमर गाळदी करताँ - करताँ
सोळा दूनी आठ भायला

जूण गधै की जीवण हाळो
घर पावै ना घाट भायला

होळै - होळै काम बणै सब
चढ़ी उतावळ डाट भायला

कदे न भूलै जो ठोकर स्यूँ
सीखै साँचा पाठ भायला

दानो है तो ध्यान राखजे
लो न खावै काट भायला

झूठ बड़ा झंझट करवा दे
करणी बात सपाट भायला

सगळो ही जीवण दळ देसी
दिन - राताँ रा पाट भायला

डरी टेम स्यूँ धोल टेम रा
खड़ी करा दे खाट भायला

धरमराज रै ताखड़ियै रा
करम बणैला बाट भायला

जयकुमार "रुसवा"
कोलकाता (प.बंगाल)
रतनगढ़ (चूरू, राजस्थान)

प्यारा राजस्थान

कम पड़ जावे शब्द जो गाथा लिक्खाँ इरे मान री,
म्हारे मन में छवि बसी है प्यारा राजस्थान री।

महाराणा प्रताप री गाथा जाणे हिंदुस्तान है,
शौर्य अठे कण-कण में है,या तो वीराँ री खान है।
पद्मावती कयों जौहर राख्यो ख़ुद रो सम्मान है।
आ धरती है वीराँ री, आ धरती है बलिदान री,
म्हारे मन में छवि बसी है प्यारा राजस्थान री।

देव-भूमि कहलावे, कित्ता देवाँ रो यो स्थान है,
रणतभँवर हो या सालासर सगळा देव महान है।
जीण माता और दादी रो भी होवे गुणगान है,
महिमा जग से न्यारी श्याम बाबा रे निशान री।
म्हारे मन में छवि बसी है प्यारा राजस्थान री।

रंग-बिरंगो है पहरावो राजस्थान रंगीलो है,
धोती-कुर्ता और पागड़ी, घाघरो है, पीळो है।
नाच्या बिन न माने होवे मनड़ो भी हठीलो है,
बात निराळी है घूमर री और चंग री तान री।
म्हारे मन में छवि बसी है प्यारा राजस्थान री।

मारवाड़ी जठे भी जावे सब से घुलमिल जावे है,
ख़ुद री प्रतिभा और लगन से देश रो मान बढ़ावे है,
इ मिट्टी से तिलक कराँ यो म्हारो मनड़ो चाहवे है।
गर्व से गावाँ हाँ म्हे सगळा गाथा इरी शान री।
म्हारे मन में छवि बसी है प्यारा राजस्थान री।

कम पड़ जावे शब्द जो गाथा लिक्खाँ इरे मान री,
म्हारे मन में छवि बसी है प्यारा राजस्थान री।

प्रतिभा शर्मा
पाठशाला (असम)
रतनगढ़ (चूरू, राजस्थान)

सांगानेर की वो बारिश और चूरमे की खुशबू

एक दिन सांगानेर तहसील में जब अचानक बारिश आई, तो मिट्टी की सोंधी खुशबू ने पूरे आंगन को अपनी बाहों में भर लिया। हम बच्चे जैसे ही बाहर खेल रहे थे, कदम खुद-ब-खुद उठे और जा पहुंचे सीताराम मेवाल जी के घर — जिसे हम सब मेवाल निवास कहते थे।

वहां पहुंचते ही उनकी माताजी ने मुस्कुरा कर कहा,

"आज तो चूरमा बनाना बनता है!"

बस फिर क्या था — आंगन में जगरा लगाया गया, मथनी में छाछ घोली गई, बाटियों के ऊपर देसी घी टपकाया गया, और सबने चौके में पंगत लगाकर स्वाद लिया दाल, बाटी और चूरमा का।

उस दिन का स्वाद, वो हंसी-ठिठोली, वो मिट्टी की सोंधी खुशबू — आज भी ज़ुबान से नहीं जाती।

अब जब ऑस्ट्रेलिया की किसी सड़क पर "राजस्थानी थाली" लिखा देखता हूं, तो आंखें अपने आप भीग जाती हैं। मन में फिर से वही बावड़ी का किनारा, मेवाल निवास का आंगन, और गांव की मिट्टी की महक ताज़ा हो जाती है।

वक़्त बदल गया है, जगह बदल गई है — लेकिन स्वाद और भावनाएं अब भी वहीं हैं...

राजस्थान के दिल में जय-जय राजस्थान

रवि शर्मा

(प्रेसिडेंट एसबीएमएस ऑस्ट्रेलिया /ऑल इंडियन एसोसिएशन ऑस्ट्रेलिया /प्रतिनिधि ऑस्ट्रेलियन राजस्थानी एसोसिएशन)

बेटा भारत मां का था !

सीमा पर घायल फौजी को, अस्पताल पहुंचाया था
कर इलाज पैरों का फिर से,वापस उसे चलाया था
मुंह पर दूजी चमड़ी से अब,चेहरा सारा बदल गया
शीशे में देखा तो फौजी खुद को रोक न पाया था !

चिथड़े-चिथड़े चेहरा लेकर, कैसे घर जा पाऊंगा
अम्मा -अप्पा को कैसे यह, बदला मुंह दिखलाऊंगा
कैसे टूटा हाथ बढेगा, राखी पर बहना आगे -
पत्नि के आगे किस मुंह से, अपना प्यार जताऊंगा !

पहुंच गया दरवाजे तक तो, आगे अन्दर जा न सका
कांप रहे अपने हाथों को, कुंडी तक पहुंचा न सका
आहट पाकर अम्मा ने जब, अंदर से कुंडी खोली -
बेटा बना अजनबी मां को, सच अपना बतला न सका !

बेटा बोला फौजी हूं मैं, यहां घूमने आया था
एक मित्र ने अपने घर का, पता यहीं बतलाया था
दोनो हाथ जोड़ कर फौजी, अभिवादन कर चला गया -
फूट फूटकर रोया अपनी, माँ के लिए पराया था !

वापस सीमा पर बेटा वो, ड्यूटी अपनी चला गया
बिडंबना देखो कैसी यह, अपनों से ही छला गया
ड्यूटी पर जाते ही उसको, अम्मा का इक पत्र मिला -
छाती फूल गई खत पढ कर, मन मातम सब चला गया !

"घाव लगे चेहरे को तुमने, बड़े जतन से ढांका था !
पथराई आंखो ने तेरे, अन्तर्मन तक झांका था !
हां बेटा ! पहचान गई मैं, कल जो घर पर आया था -
मेरे दिल का टुकड़ा था पर, बेटा भारत मां का था !”

गौरीशंकर 'भावुक'
चेन्नई (तमिलनाडु)
तालछापर (चूरू, राजस्थान)

बरगद की मनोदशा

वह मेरा बचपन वाला गाँव।
याद आती बरगद की छाँव।
सभी डालते उसके नीचे डेरा।
पथिकों का हुआ सदा बसेरा।

लगती थी वहाँ रोज चौपाल।
मचली लेते उसके नीचे ढाल।
वहाँ बैठकर खाते कांदा रोटी।
एक दूजे की खींची थी चोटी।

बरगद रहता चहका-चहका।
गुलाब की सौरभ सा महका।
आज खड़ा नितांत अकेला।
मन में चलता यादों का मेला।

झुकी टहनियाँ, पत्ते झर गए।
सूना-सूना मेरा गट्टा कर गए।

किधर गई वह हँसी-ठिठोली।
नम है आँखें, निकले न बोली।

हुआ वृद्ध पर आस है बाकी।
कब होगी पहले-सी झाँकी।
वह मेरा बचपन वाला गाँव।
याद आती बरगद की छाँव।

शशि लाहोटी
कोलकाता (प.बंगाल)
सीकर (राजस्थान)

राजस्थान से मेरा बंधन

राजस्थान... एक नाम नहीं, वो मेरी आत्मा की पहचान है। वो मिट्टी, जिसमें मेरे बचपन के क़दमों की छाप है। वो हवाएं, जिनमें मेरी माँ की सुनाई लोरी अब भी गूंजती है। और वो गाँव – टोकवासा, जहाँ मेरी जड़ों की शुरुआत हुई। टोकवासा केवल एक गाँव नहीं, मेरे जीवन का सबसे पवित्र हिस्सा है। वहीं की गलियाँ मेरे पहले कदमों की गवाह हैं। वहाँ की मिट्टी की सौंधी खुशबू आज भी मेरे सपनों में आती है। और जब भी कोई मुझसे पूछता है कि "तुम कहाँ से हो?" – मेरा दिल गर्व से कहता है, "मैं टोकवासा का हूँ – राजस्थान की धरती से जुड़ा हुआ!"

मेरे कुल की आराध्य माँ त्रिपुरा सुंदरी मेरे विश्वास और शक्ति की प्रतीक हैं। बचपन से लेकर आज तक, हर सुख-दुख में उनकी छाया मेरे साथ रही है। माँ के मंदिर की घंटियों की आवाज़ आज भी कानों में गूंजती है और मन को शांति देती है।

राजस्थान ने मुझे संस्कृति दी, साहस सिखाया, और आत्मगौरव से जीना सिखाया। दाल-बाटी की सौंधी खुशबू, चोखेसा की बातें, त्योहारों की रौनक, और हर दिल से निकली राम-राम सा की मिठास — सब कुछ मेरे जीवन की अमिट छाप है।

आज भले ही मैं कहीं भी रहूँ, लेकिन मेरा दिल, मेरी आत्मा, और मेरी यादें हमेशा टोकवासा की धरती और माँ त्रिपुरा सुंदरी के चरणों में ही रहती हैं।

राजस्थान से मेरा यह बंधन, सिर्फ एक भावनात्मक रिश्ता नहीं — यह मेरी रुह का हिस्सा है।
और इस रिश्ते पर मुझे गर्व है।

राजेन्द्र कुमार
अध्यक्ष, पंचाल कॉम्युनिटी कुवैत
टोकवासा (डूंगरपुर, राजस्थान)

Disclaimer: *Rajasthan Foundation will not be responsible for the veracity, accuracy or any liability arising from the content or write-ups submitted. The articles published are solely those of the contributors.*

प्रवासियों के योगदान

सेवा, संस्कार और सतत विकास की प्रेरणा

आर. एन. नोवाल फाउंडेशन विगत दो दशकों से शिक्षा, पर्यावरण, प्राकृतिक चिकित्सा और ग्रामीण उत्थान के क्षेत्रों में समाजसेवा का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। अध्यक्ष श्री रामनिवास नोवाल की अगुवाई में यह फाउंडेशन रेनवाल क्षेत्र तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्राम गदड़ी में श्री रघुनाथजी मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार, गंगा बिहारी बावड़ी का पुनर्निर्माण तथा नोवाल नेचरकेयर रिज़ॉर्ट (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र) की स्थापना जैसे कार्य संस्था की समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। श्री लक्ष्मी नारायण बिहारीलाल नोवाल राजकीय विद्यालय की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर प्राप्त हुआ है।

"एक पेड़ माँ के नाम " – माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की इस संवेदनशील पहल से प्रेरित होकर फाउंडेशन द्वारा सैकड़ों वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण को मजबूत किया गया।

फाउंडेशन के संस्थापक श्री राम निवास नोवाल, जो पिछले कई वर्षों से असम में रह रहे हैं, निरंतर राजस्थान के गाँवों में सामाजिक उत्थान, स्वास्थ्य और आर्थिक प्रगति के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

हाल ही में फाउंडेशन द्वारा सात दिवसीय निःशुल्क योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन श्री शरद मेहरा (आईएएस), महा निरीक्षक, मुद्रांक एवं पंजीयन तथा महामंडलेश्वर प्रेमदास जी महाराज (खेड़ापति बालाजी आश्रम, सामोद) की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

आर. एन. नोवाल फाउंडेशन की उल्लेखनीय सेवाओं को सम्मानित करते हुए राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा श्री नोवाल को **प्राइड ऑफ राजस्थान अवार्ड** से अलंकृत किया गया। इसके साथ ही राजस्थान के शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर द्वारा शिक्षा भूषण पुरस्कार प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया।

आर एन नोवाल फाउंडेशन, आज एक ऐसी संस्था बन चुकी है जो सेवा, संवेदना और सामाजिक बदलाव की सशक्त मिसाल है।

आर एन नोवाल फाउंडेशन

चूरू के सुजानगढ़ में बनेगा 300 बेड का अस्पताल-जनसेवा की सशक्त पहल

सुक्षेम फाउंडेशन जनकल्याण, सेवा और भारतीय संस्कारों को समर्पित एक सक्रिय संस्था है, जो अब राजस्थान के सुजानगढ़ क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत **"सुक्षेम आरोग्य विहार"** की स्थापना कर रही है। यह प्रकल्प न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए एक स्वास्थ्य एवं सेवा का आदर्श मॉडल बनने जा रहा है।

लगभग ₹250 करोड़ की लागत से विकसित हो रही यह परियोजना एक संपूर्ण और समग्र चिकित्सा केंद्र के रूप में उभर रही है, जिसमें आधुनिक चिकित्सा, आयुष पद्धतियाँ (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी) और प्राकृतिक चिकित्सा का समन्वय किया जाएगा। यह पहल न केवल उपचार का केंद्र होगी, बल्कि निवारक चिकित्सा और जीवनशैली सुधार के क्षेत्र में भी व्यापक कार्य करेगी। यह फाउंडेशन सुजानगढ़ क्षेत्र के प्रवासियों द्वारा स्थापित किया गया है, जो अपनी भूमि से जुड़े सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को सशक्त बनाते हैं। श्री के.सी. मालू सुक्षेम फाउंडेशन के फाउंडर ट्रस्टी हैं और श्री हीरालाल मालू व श्री निर्मल सेठिया फाउंडेशन के संरक्षक हैं।

प्रमुख विशेषताएँ:

- 300 बेड का अत्याधुनिक मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, जिसमें जनरल व प्राइवेट वार्ड्स होंगे।
- 30 से अधिक चिकित्सा विभाग, नवीनतम तकनीक एवं उपकरणों से युक्त।
- आयुष चिकित्सा केंद्र, जो भारतीय चिकित्सा ज्ञान पर आधारित होगा।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, जिससे रोग निवारण के साथ-साथ मानसिक व आत्मिक शांति भी सुनिश्चित हो।
- चिकित्सकों हेतु आवासीय इकाइयाँ और स्टाफ हेतु सुविधाजनक परिसर।
- रिसर्च इंस्टीट्यूट, जो चिकित्सा क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देगा।
- छात्रावास व गेस्ट हाउस, आने वाले विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों एवं अतिथियों के लिए।
- हर्बल पार्क, जहां औषधीय पौधों की जानकारी और उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

यह प्रकल्प सुजानगढ़ से सटे ग्राम बीदासर रोड पर स्थित है, जहां तक पहुंचना सुविधाजनक है। यह स्थान क्षेत्रीय जनमानस के लिए सुलभ एवं उपयोगी सिद्ध होगा। सुक्षेम आरोग्य विहार केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि एक विचार है – **सेवा परमो धर्मः** के मूलमंत्र से प्रेरित एक ऐसा केंद्र, जहां सेवा, संवेदना और समर्पण को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका उद्देश्य सिर्फ रोगियों का उपचार करना नहीं, बल्कि उनके जीवन को पुनः स्वस्थ, संतुलित और आत्मनिर्भर बनाना है। सुक्षेम फाउंडेशन मानता है कि स्वास्थ्य केवल शरीर की नहीं, मन और आत्मा की भी आवश्यकता है। इसी विचार को मूर्त रूप देने हेतु यह परियोजना आरंभ की गई है।

"म्हारो गाँव, स्वस्थ गाँव" अभियान के अंतर्गत डॉ. जयवीर सिंह राठौड़ की स्वास्थ्य पहल

प्रवासी राजस्थानी एवं Doctors of Rajasthan International (DoRI) के अध्यक्ष डॉ. जयवीर सिंह राठौड़ (MD, USA) के नेतृत्व में चल रहा **"म्हारो गाँव, स्वस्थ गाँव"** / Adopt-A-Village अभियान, राजस्थान सहित भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा और जन-जागरूकता को एक नई दिशा प्रदान कर रहा है।

हाल ही में DoRI-RF-GTC के माध्यम से राजस्थान के 17 गांव और भारत के 9 राज्यों में कुल 80 गांव तक इस सेवा कार्य का विस्तार किया गया। इस चरण में महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए "स्वस्थ बहना" पहल की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत एनीमिया की जांच की गई तथा 250 प्रीमियम गुणवत्ता वाले सैनिटरी पैड वितरित किए गए।

अभियान के अगले चरण में डॉ. राठौड़, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री माननीया दीया कुमारी जी के साथ विचार-विमर्श कर, महिलाओं के लिए स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग हेतु Artificial Intelligence (AI) आधारित अल्ट्रासाउंड तकनीक की शुरुआत की योजना बना रहे हैं। भारत में इस उद्देश्य के लिए AI आधारित इस तकनीक का यह पहला प्रयोग होगा। इस पहल को अक्टूबर माह जो Breast Cancer Awareness Month के रूप में मनाया जाता है के दौरान प्रारंभ किया जाएगा।

इस तकनीक को लागू करने के लिए राजस्थान के स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही, परियोजना के क्रियान्वयन से पहले और बाद के आंकड़ों का संग्रह और विश्लेषण किया जाएगा, जिससे यह आकलन किया जा सके कि यह पहल जीवन रक्षा में कितनी कारगर सिद्ध हो रही है।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान की शुरुआत स्वयं डॉ. राठौड़ ने अपने पैतृक गांव नागवाड़ा (मकराना के निकट) से की थी। इस प्रेरणादायक प्रयास से प्रभावित होकर, विश्व के विभिन्न महाद्वीपों में बसे प्रवासी राजस्थानियों ने अब तक 16 अन्य गांवों को गोद लिया है। यह पहल प्रवासी समुदाय को अपने मूल गांवों से भावनात्मक रूप से जोड़ने और सकारात्मक योगदान का अवसर देने वाला एक प्रभावी मंच बन चुकी है।

स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ डॉ. राठौड़ चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में एक प्रेरणात्मक व्याख्यान दिया और अब तक लगभग 10 राजस्थानी चिकित्सकों को अमेरिका के पीजी प्रोग्राम्स में प्रवेश दिलाने हेतु सफल मार्गदर्शन प्रदान किया है।

COLOURS OF CONNECTION: ART FROM ACROSS THE GLOBE

Rajasthan Foundation invited Pravasi Rajasthanis from across India and around the world to share their artwork inspired by the timeless spirit of their homeland. The response was truly inspiring. From serene glimpses of nature to modern abstractions, from intricate traditional patterns to soulful expressions of devotion—each piece echoed a deep-rooted bond. These artistic creations are more than visuals—they are emotions rendered in colour and form. Through thoughtful themes and vibrant strokes, our extended family proves once again that Rajasthan lives in every canvas, no matter the distance.

A Thousand Strokes, One Name—RAM

Kavita Daga, Kolkata
West Bengal

From Folk Expressions to Modern Art

Srishti Goyal
Himachal Pradesh

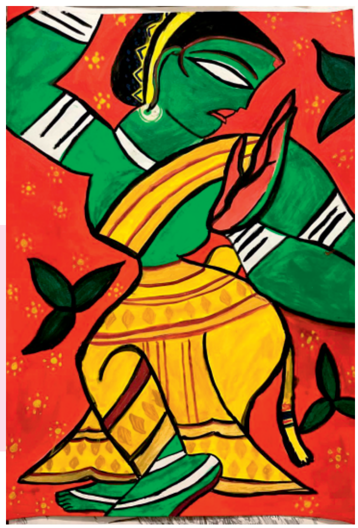

COLOURS OF CONNECTION: ART FROM ACROSS THE GLOBE

Pure, Peaceful, Poetic

Abhijeet Gotani
Silchar, Assam

Art of devotion

Muskan Kankaria
Silchar, Assam

Tiny life, big bloom

Meenakshi Girdhar
Canada

Scan & Follow Our

Social Media Handles

Instagram

Facebook

Linkedin

X (Twitter)

Rajasthan Foundation
Connecting Non-Resident Rajasthanis

Yojana Bhawan, Yudhisthir Marg, C-Scheme, Jaipur-302005
0141-2229091, 2229111, 2222671
rajfound-rj@nic.in,rajfoundation@rajasthan.gov.in
www.foundation.rajasthan.gov.in

Website

Registration